कृषि विज्ञान केन्द्र

जापानी फार्म, भोजपुर, आरा,

(बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर, भागलपुर)

bhojpurkvk@gmail.com

09431091369

मौसम आधारित कृषि परामर्श

भोजपुर जिले के मौसम का पूर्वानुमान

मौसम कारक	06.03.2024	07.03.2024	08.03.2024	09.03.2024	10.03.2024
वर्षा (मि.मी.)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान (से.)	30.0	30.0	31.0	29.0	29.0
न्यूनतम तापमान (से.)	14.0	14.0	15.0	15.0	15.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	90	90	85	85	90
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	40	40	35	35	40
हवा की गति (कि.मी. प्रति घंटा)	12	12	10	10	12
पवन दिशा (डिग्री)	290	290	280	280	290
क्लाउड कवर (ओक्टा)	2	2	3	3	2

मौसम सारांश / चेतावनी :

- भारत मौसम विज्ञान विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार 6 से 10 मार्च के दौरान आसमान में हल्के बादल छाए रह सकते हैं एवं मौसम शुष्क रहने का अनुमान है। अधिकतम तापमान में 30–31 डिग्री संटीग्रेड और न्यूनतम तापमान 15–16 डिग्री सेंटीग्रेड रहने की संभावना है।
- सापेक्षित आर्द्रता सुबह में 85–90 प्रतिशत तथा दोपहर में 35–40 प्रतिशत रहने की संभावना है।
- पमर्वानुमान की अवधी में 10–12 किमी/घंटा की रफतार से पछिया हवा चल सकती है।

सामान्य सलाह :

आगामी शुष्क मौसम तथा कढ़ते तापमान को ध्यान में रखते हुए भी सब्जियों तथा अन्य फसलों में आवश्यकतानुसार सिंचाई करें।

लघु संदेश सलाह :

आगामी शुष्क मौसम को देखते हुए सरसों की कटनी तथा दौनी एवं आलू की खुदाई करें।

फसल विशिष्ट सलाह :

गेहूँ	गेहूँ की फसल में दाना बनने से दुध भरने की अवस्था वाली फसल में प्रयाप्त नमी का विशेष ध्यान रखें। इस अवस्था में नमी की कमी रहने से उपज में कमी आती है।

बागवानी विशिष्ट सलाह :

केला	केला की सुखी एवं रोगग्रस्त पत्तियों को काट कर खेत से अलग करें जिससे रोग की उग्रता में कमी आयेगी। हल्की गुड़ाई करने के बाद प्रति केला 200 ग्राम यूरिया 200 ग्राम म्यूरेट ऑफ

	पोटाश एवं 100 ग्राम सिंगल सुपर फास्फेट का प्रयोग करें।
भिंण्डी	गरमा सब्जियो की बुंआई करें भिंडी के लिए परभनी क्रान्ति, अर्का अभय, अर्का अनामिका, वर्षा उपहार,, के0एस0–312 लौकी के लिए राजेन्द्र चमत्कार, सूसा समर पौलिफिक राउंड प्रभेद अनुशंषि हैं।

पशुपालन विशिष्ट सलाहः

गाय	प्रत्येक दुधारू पशु को खुरपका–मुहपका रोग से बचाव के लिए टिकाकरण करायें। पशुओं के बाह्य एवं अंतः परजीवी नियंत्रण के लिए आइवरमेक्टीन का प्रयोग करें। मार्च में ज्वार, मक्का, लोबिया चारे की बुआई करें। बरसीम, जई एवं लुसर्न की सिचाई 10–15 दिन के अंतराल पर करें। हाइब्रिड नेपियर, नेपियर एवं गिनी घास की रोपाई के लिए खेत तैयार करें।